लोक सभा /राज्य सभा के पटल पर रखे जाने वाले कागजात

अधिप्रमाणित

2017– 18 के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के कियाकलापों की समीक्षा

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के अंतर्गत केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम 1992 (1992 की सं. 40) द्वारा 26 जनवरी, 1993 को इम्फाल, मणिपुर में मुख्यालय बनाकर की गई। के कृ वि एक पूर्ण आवासीय विश्वविद्यालय है जिसके अधिकार क्षेत्र में असम छोड़कर उत्तर पूर्व के सभी राज्य हैं। भारत के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के सामन के कृ वि. में भी शिक्षा, अनुसंधान एव प्रसार के समेकित कार्यक्रम है। विश्वविद्यालय में उत्तम प्रयोगशालायें, अनुसंधान एवं प्रदर्शन फार्म, 5 कृविकें. 6 बहु प्रद्योगिकी परीक्षण केंद्र एवं 6 व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र हैं।

विश्वविद्यालय अपने 13 संघटक कालेजों के द्वारा विभिन्न संकायों में 9 स्नातक, 38 स्नातकोत्तर तथा 21 पीएचडी डिग्री कार्यक्रम चलाता है। विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र स्नातक तथा स्नातकोत्तर हेतु 1 जुलाई 2017 से प्रारंभ किया जबकि पशुचिकित्सा कालेज में यह 1 अगस्त 2017 से प्रारंभ हुआ। सभी कालेजों में 2 सितंबर 2017 से पीएचडी कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। शैक्षणिक सत्रा 2017–18 हेतु कुल 481, 177 तथा 21 विद्यार्थियों ने स्नातक स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश लिया। कुल 255 स्नातक एवं 131 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने डिग्री पूर्ण की तथा इस अवधि में 8 विद्यार्थियों ने पीएचडी पूर्ण की।

दूरदराज क्षेत्र एवं स्थानीय असुविधओं के बावजूद विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की व्यावसायिक सफलता हेतु संघटक कालेजों में उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण बनाये रखा है। राष्ट्रीय स्तर परीक्षाओं में विद्यार्थियों के उत्तम प्रदर्शन हेतु सभी संघटक कालेजों में विशेष कोचिंग कार्यक्रम चलाया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता परीक्षाओं तथा राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश लेने में अति उत्तम प्रदर्शन किया। वर्ष के दौरान 14 विद्यार्थियों ने जेआरएपफ, 6 एस आर एपफ, 54 नेट, 5 गेट, 2 कैट तथा 4 विद्यार्थियों ने ए आर एस वैज्ञानिक पद पाया। देश के सम्मानित संस्थानों के स्नातकोत्तर अध्ययन कार्यक्रम में 160 विद्यार्थियों ने प्रवेश पाया। 6 विद्यार्थियों ने भाकृअ.प. परीक्षा के माध्यम से पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश

पाया। विगत दो वर्षों में परिसर साक्षात्कार के द्वारा निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्राों में पदस्थापना के मामले में विश्वविद्यालय का अति उत्तम रिकार्ड है। वर्ष 2017–18 में विभिन्न संस्थाओं में हमारे 57 विद्यार्थियों ने पद पाये।

सभी संघटक कालेजों में अच्छे क्रीड़ा स्थल, व्यायामशाला, सूचना केंद्र तथा पदस्थापना कोष्ठ है। प्रत्येक कालेज में सुविधाओं सहित रंगशाला, स्वास्थ्य केंद्र, कैंटीन, एटीएम तथा डाक घर हैं। सभी कालेजों में कालेज सप्ताह मनाया गया जिसमें छात्रों ने विभिन्न खेलों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। सभी कालेजों में एनसीसी या एनएसएस इकाई है जिसके अंतर्गत विद्यार्थी परिसर के अंदर व बाहर सामाजिक कार्यों में रत रहते है जिससे उनके अंदर सेवा एवं श्रम के सम्मान की भावना जग सके। 15–17 जनवरी 2018 के बीच अनुदेश निदेशालय एवं कृषि कालेज ने संयुक्त रुप से चौथा वार्षिक अंतमहाविद्यालय युवा महोत्सव आयोजित किया। तीन दिनों के कार्यक्रम में युवा महोत्सव में विश्वविद्यालय के 13 संघटक कालेजों से 351 प्रतिभागियों ने 18 विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

विश्वविद्यलाय का अनुसंधान कृषि प्राद्योगिकी/प(ति/कृषि मशीन व उपस्कर के विकास हेतु आवश्यकतानुसार शोध परियोजनाओं को सतत एवं पर्यावरण अनुकूल वैज्ञानिक एवं तकनीकी सोच के द्वारा विकसित करने का उद्देश्य रखता है जिससे उत्तर पूर्व क्षेत्रा के लोगों की पफसलों, पशुओं तथा मछलियों की उत्पादकता में वृद्धि एवं लाभकारिता, मूल्य वर्द्धन हेतु नये उत्पादों का विकास, आय सृजन में वृद्धि तथा सामाजिक आर्थिक उत्थान हो सके। रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय ने 79 अंतर्मुखी परियोजनायें चलायी जिसमें 10 नये अनुमोदित थे, 59 चलती हुई तथा 10 विश्वविद्यालय पोषित कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्ण थीं। 143 बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं में से 5 नये अनुमोदित, 77 चलती हुई तथा 61 पूर्ण थे।

उत्तर पूर्वी भारत में 11,400 किसानों के पंजीकरण के साथ मेघालय के चार महत्वपूर्ण जिलो रिभोई, पूर्वी खासी, पश्चिमी खासी तथा पश्चिमी जैंतिया पर्वतीय जिला में मोबाइल आधरित कृषि परामर्श व्यवस्था विकसित की गई। अवधि के दौरान कृषि एवं संबद्ध विषयों में किसानों द्वारा उठाये गये 9361 समस्याओं का समाधान किया गया।

स्थानीय सूअर (*जोवाक*) तथा दीर्घ श्वेत यौर्कशायर प्रजाति (एलडब्लू वार्ड) के संकर से सूअर की एक उच्च उत्पादन प्रजाति का विकास किया गया। विकसित प्रजाति में एल डब्लू वाई का 75% रक्त स्तर था जिससे उत्तम माँस एवं उच्च खाद्य अनुपात मिला। अनुवृद्धि संख्या भारतीय सूअर 2700 जोवाक 09007 तथा भारतीय मुर्गी 1200 कोनायन 12017 के अंतर्गत क्रमशः मिजो सूअर जोवाकंड तथा मणिपुरी मुर्गी कनायन को पंजीकृत किया गया। मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, नागालैंड से मछलियों के 16 अद्भुत प्रजातियों के डीएनए बार कोड बनाकर एनसीबीआई जीन बैंक में जमा कर दिया गया।

पर्वतीय राज्यों में आधुनिक नवोन्मेषी एवं सतत कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को आगे बढ़ाने हेतु किसानों तथा संबंधित विभागों के तकनीकी कर्मचारियों को समय समय पर कृषि शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रसारकर्मियों हेतु प्रसार निदेशालय ने 9 क्षमता सृजन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जिससे 258 व्यक्तियों को लाभ मिला। कृषकों एवं खेतिहर महिलाओं हेतु वर्ष के दौरान निदेशालय ने 39 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जिससे 2187 लोगों को लाभ मिला।

ग्रामीण कृषकों तक पहुंचने हेतु निदेशालय ने मात्स्यिकी कालेज, अगरतला में सीएयू क्षेत्रीय कृषि मेला–2017 आयोजित किया जिसमें क्षेत्रा के विभिन्न राज्यों से 5050 किसानों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय

ने 5 राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य स्तर के कृषि मेला/प्रदर्शनियों में भाग लिया। भाकृअ.प. उमियाम बड़ापानी द्वारा आयोजित उ.पू. क्षेत्रीय कृषि मेला में विश्वविद्यालय के स्टॉल को प्रथम रनरअप घोषित किया गया। मणिपुर सरकार के कृषि विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तर कृषि मेला 2017–18 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

तीन कृविकें के तहत कृषकों हेतु 64 परिसर में तथा 133 परिसर के बाहर प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिससे 6408 किसानों को लाभ मिला। प्रसारकर्मियों हेतु 23 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें पुरुष, महिला, अजा/अजजा/अपिव. के युवाओं को शामिल किया गया जिससे वे सुदूर प्रदेशों में कृषकों तक पहुँच सकें। तीन कृवि.कें. के अंतर्गत 34 पफार्म पर परीक्षण तथा 48 अग्र पंक्ति प्रदर्शन किये गये।

भारत सरकार के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्राालय द्वारा प्रायोजित विशेष नवोन्मेषी एवं कृषक कल्याण कार्यक्रम उन्नत भारत अभियान, पंडित दीन दयाल उपाध्याय उन्नत कृषि शिक्षा योजना के अंतर्गत निदेशालय द्वारा विशेष कृषक कल्याण कार्यक्रम आयोजित किये गये। मणिपुर, मेघालय, मिजोरम एवं त्रिापुरा में 5 कौशल प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिससे 156 प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित हुये। विभिन्न कृवि.कें. एवं संघटक कालेजों में मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम चलाने से किसानों को कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में उत्पादन एवं आय की वृद्धि में सहायता मिली है। अवधि के दौरान चार बाह्य वित्त पोषित परियोजनायें– 1)फारमर्स फर्स्ट कार्यक्रम, 2) उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत समेकित मधुमक्खी पालन विकास केंद्र, 3) किसान व्यापार स्कूल, 4) सतत जीविका सुरक्षा हेतु उपू राज्यों के जनजातीय किसानों द्वारा तोरिया सरसों उत्पादन में वृद्धि चलायी गयी।

विश्वविद्यालय में 28 प्रशासनिक, 269 शिक्षण तथा 744 गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को मिलाकर 1041 कुल कर्मचारी क्षमता है। मुख्यालय में 15 कार्यपालक अधिकारी प्रशासनिक पदों पर हैं जिनके सहयोग हेतु 31 तकनीकी एवं 78 गैर तकनीकी कर्मचारी हैं। विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों में 9 डीन, 269 शैक्षणिक तथा 635 गैर शैक्षणिक कर्मचारी हैं। वर्ष के दौरान मुख्यालय में 3 व्यक्ति तथा संघटक कॉलेजों में 53 व्यक्तियों की नई नियक्ति हुई। रिपोर्ट के अंतर्गत वर्ष के दौरान 6 कर्मचारियों को स्थानांतरित किया गया, 9 सेवा निवृत्त हो गये 3 मृत तथा 9 लोगों ने त्याग पत्रा दे दिया। 85 शिक्षकों को सीएएस के तहत पदोन्नति मिली। विश्वविद्यालय के विभिन्न संघटक कॉलेजों में 102 प्रशिक्षण, कार्यशाला, सम्मेलन, सेमिनार आदि आयोजित किये गये।

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय अधिनियम 1992 की धारा 30(1) के प्रावधान के अनुसार जनवरी, 2019 में मणिपुर के महालेखाकार (लेखा परीक्षा) के द्वारा केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की लेखा का लेखा परीक्षा किया गया । इस लेखा परीक्षा की अन्तिम रिपोर्ट महालेखाकार (लेखा परीक्षा) द्वारा पत्र सं0 पी ए जी (ए यू) एल.बी/ए बी/39/एस ए आर/सी ए यू/2016–17/190 दिनांक 17 सितबर, 2019 द्वारा जारी की गई जिसमें 3 मुख्य प्रेक्षण दिये गये थे। इन 3 प्रेक्षणों में गलत वर्गीकरण, बयाज के गलत गणना के कारण जी पी एफ की अधिकता एवं ईकाई वार प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा समेलित लेखा के आंकडों में अंतर था ।

2018–19 वर्ष हेतु विश्वविद्यालय की वार्षिक लेखा में गलत वर्गीकरण के दोनों गलतियों को सुधार लिया गया है। ऐसी गलतियाँ ना हो, इसके लिये कदम भी उठाये गये हैं। परिसंपत्तियों का भौतिक परीक्षण, आंतरिक लेखा परीक्षा की पर्याप्तता के संबंध में लेखा परीक्षा के सुझाव पर विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है।

भारत सरकार ने वर्श 2017–18 के दौरान विश्वविद्यालय के लिए 120.00 करोड़ रू0 की अनुदान सहायता दी जो पूर्ण रुप से प्रयुक्त किया गया ।

विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वर्ष के दौरान नये 6 कालेजों में विभिन्न निर्माण कार्य प्रारंभ किये गये। इसमें विश्वविद्यलाय मुख्यालय परिसर, अन्य निर्माण कार्य, कालेज भवन, प्रयोगशालायें, छात्रावास, कर्मचारी आवास, रंगशाला, सूचना केंद्र, कैटीन, डाकघर, बैंक, सुरक्षा बैठक आदि शामिल है। सभी संघटक कॉलेजों में बहु प्राद्योगिकी परीक्षण केंद्र तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण प्रगति पर हैं।

विश्वविद्यालय के संघटक कॉलेजों के शिक्षकों ने 287 पूर्ण अनुसंधान तथा 29 डिजिटल औब्जेक्ट आइडेंटिपफायर (डी ओ आई) लेख, 36 सेमिनार कार्यवृत्त, 150 सेमिनार में प्रस्तुत पत्र, 84 प्रसिद्ध लेख, 22 पुस्तकें, 40 पुस्तक अध्याय तथा 85 विवरणिका मिलाकर 733 अनुसंधान साहित्य प्रकाशित किये।

रिर्पोटिंग वर्ष के दौरान उत्तर पूर्वी पर्वतीय भारतीय क्षेत्रा के सात राज्यों में स्थित विभिन्न कॉलेज परिसरों में विश्वविद्यलाय ने 106 प्रसिद्ध आगंतुक देखे। आगंतुकों में प्रसिद्ध प्रशासक, वैज्ञानिक, शिक्षक, मेधावी विद्यार्थी तथा प्रगतिशील किसान सम्मिलित थे।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय जो एक बहुपरिसरीय विश्वविद्यालय है, 6 पूर्वोत्तर पर्वतीय राज्यों की सीमाओं में है। इस क्षेत्र को गहन सम्पर्क की कमी और स्थानीय तथा क्षेत्रीय सामाजिक राजनैतिक व्यवधानों के रूप में जाना जाता है। परिणाम स्वरूप इसका विश्वविद्यालय पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, देश का दुर्गम क्षेत्र होने के कारण, विश्वविद्यालय, मुख्यालय और इसके विभिन्न परिसरों में बेहतर स्थिति के लिए योग्य कार्मिक भी प्राप्त नहीं कर पा रहा। इन सभी बाधाओं के बावजूद भी विश्वविद्यालय उपलब्ध स्टाफ और संसाधनों के साथ अध्यापन, अनुसंधान और प्रसार शिक्षा से सम्बद्व अपने अधिदेशों को पूरा कर रहा है।